की और लोग फ्री होते हैं काम करने के लिए क्योंकि रबी सीजन का कोई मौका नहीं होता न काटने का, न बोने का। 9,66,372 आदमियों को रोजाना काम मिला राजस्थान में। दस लाख के करीब लोगों को रोजाना काम मिला। जुलाई में बारिश हो जाती है और लोग खेतीबाड़ी के काम में लग जाते हैं और फिर वे काम करने कम आते हैं। इसलिये यह तादाद घट कर 4,71,000 रोजाना की हो गयी। फिर अगस्त में 4,11,000 हो गयी और कुछ कम हो गयी क्योंकि लोग खेतों में काम में लग गये और दूसरे धंधों में लग गये। सितम्बर में यह तादाद घट कर और कम हो गयी इस लिये कि फिर फसल का मौका आ जाता है और लोग खेतों में काम करने चले जाते हैं। नेशनल रूरल एंप्लायमेंट के कामों पर वह नहीं आते। तो दस-दस लाख लोगों को काम हम देते रहे हैं। तो माननीय सदस्य का यह कहना दुरुस्त नहीं है कि राजस्थान में इन चीजों पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। लेकिन वह अपनी निगाह से देखते हैं और सरकार अपनी निगाह से देखती है। और जो सरकार के काम की सराहना करते हैं, मिर्धा जी जैसे, वह सही निगाह से देखते हैं। जो काम हुआ है उस की तारीफ होनी चाहिए और आप जो काम हुआ है उस को भी मानने को तैयार नहीं तो इस का तो मेरे पास कोई जवाब नहीं है।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The discussion will continue.

अब सदन की कार्यवाही 2 बजे तक के लिये स्थगित की जाती है।

The House then adjourned for lunch at seven minutes past one of the clock.

2.00 P.M.

The House reassembled after lunch at two minutes past two of the clock, **Mr. Deputy Chairman** in the Chair.

SUPPLEMENTARY DEMANDS FOR GRANTS (GENERAL) 1981-82

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI SAWAISINGH SISODIA): Sir, I beg to lay on the Table a statement (in English and Hindi) showing the Supplementary Demands for Grants (General) for the year 1981-82 (December, 1981).

SUPPLEMENTARY DEMANDS FOR GRANTS FOR EXPENDITURE OF THE GOVERNMENT OF ASSAM FOR THE YEAR 1981-22

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI SAWAI SINGH SISODIA): Sir, I beg to lay on the Table a statement (in English and Hindi) showing the Supplementary Demands for Grants for Expenditure of the Government of Assam for the year 1981-82.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: We will now continue with the Calling Attention.

CALLING ATTENTION TO A MATTER OF URGENT PUBLIC IMPORTANCE

Reported Acute Drought conditions in Rajasthan and some other parts of the country—*contd.*

DR. M.M.S. SIDDHU (Uttar Pradesh): While appreciating the assistance given by the Central Government to ameliorate the conditions of the drought and famine affected areas, may I ask a simple question to the hon. Minister? Is it enough? Does it satisfy the people? Take the example of Rajasthan. Since the formation of Rajasthan, Rs. 700 crores have been spent on providing relief to famine-hit people in that State. May I have the attention of the House?

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Order, order. Now, you please go on.

DR. M.M.S. SIDDHU: Since the year 1967-68 to the year 1980-81, out of these 16 years, only for three years the State of Rajasthan has been free